सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 287 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 27 नवम्बर, 2026

मूल्य ₹ 3/-





महान सपने देखने वालों के महान सपने हमेशा पूरे होते हैं।

-डॉ. अब्दुल कलाम

एशिया कप राइजिंग स्टार्स : भारत सेमीफाइनल... 7 | तमिलनाडु में फिर गरमाई सियासत... 3 | परिसीमन भाजपा की राजनीति... 2

संजय शर्मा का धमाकेदार इंटरव्यू कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद इमरान मसूद के साथ

साहब, हम तो जीरो हैं, लेकिन जहां लगेंगे वहां दस गुना कर देंगे : इमरान मसूद

विधानसभा 27 का आभास संजय शर्मा के साथ यूपी की सियासत की परत-दर-परत खोलता राजनीतिक इतिहास में अबतक का सबसे ज्वालामुखी संवाद...



4PM सुपर एक्सक्लूसिव इंटरव्यू

4PM इस इंटरव्यू को 4PM चैनल पर भी देखें

➤ संजय शर्मा : इमरान भाई, अखिलेश यादव ने तो ऐसा कोई बयान नहीं दिया कि कांग्रेस नहीं है, कांग्रेस का वजूद नहीं है, कांग्रेस का थैला-बिस्तर नहीं है। फिर यह तल्खी क्यों?

➤ इमरान मसूद : देखिए, प्रोफेसर साहब ने कहा था। मैं मीटिंग के अंदर की बातें बाहर नहीं करना चाहता। लेकिन जब मीटिंग में बात हो रही है और आप सूची जारी किए जा रहे हैं तो सवाल उठता है। आपने 26 सीटों की सूची भेज दी जबकि हमने इतनी सीटें मांगी ही नहीं थीं। हमने जो सूची दी उस पर आपने बात ही नहीं की।

4pmनेटवर्क

लखनऊ। यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव का काउंट डाउन शुरू हो चुका है। राजनीतिक दल कील-कांटे दुरूस्त कर मैदान में उतर रहे हैं। सपा ने तो बाकायदा अपना घोषणा पत्र भी पेश कर दिया है। वही बीजेपी में आज दिल्ली में पीएम मोदी की अगुवाई में बड़ी बैठक है। यह सब तो एक तरफ दूसरी सबसे बड़ी राजनीतिक गुंजन सपा-कांग्रेस गठबंधन को लेकर है कि यह होगा कि नहीं... कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद ने मोर्चा खोल रखा है सम्मानजनक सीटों का वहीं सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने जैसा सोच रखा है वह उसी चाल मे आगे बढ़ रहे हैं।

इस गठबंधन को लेकर शुरूआत में ही पेंच फंस गया है और नेताओं के बयानों ने दोनों दलों के रिश्तों में तल्खी बढ़ा दी है। सवाल यह है कि क्या दोनों दलों के बीच सीटों का सम्मानजनक बंटवारा हो पाएगा या फिर 2024 के लोकसभा चुनाव वाला गठबंधन इस बार टूट की कगार पर पहुंच जाएगा? इन्हीं सवालों पर 4PM के संपादक संजय शर्मा ने यूपी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद से बेबाक बातचीत की। इंटरव्यू में इमरान मसूद ने साफ कहा कि कांग्रेस गठबंधन की इच्छुक है लेकिन अपनी राजनीतिक हैसियत और जीतने की क्षमता से समझौता नहीं करेगी। 26 सीटों की पेशकश पर उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोकदल को 35 सीटें दी जा सकती हैं तो कांग्रेस के लिए 26 सीटों का फरमान क्यों? उन्होंने अपनी पार्टी की स्थिति को जीरो बताते हुए कहा कि यही जीरो किसी के साथ जुड़ जाए तो 10 और 100 भी बन सकता है। बातचीत में अखिलेश यादव, रामगोपाल यादव, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, आजम खान, मायावती और असदुद्दीन ओवैसी तक के नाम आए। कहीं सवालों के जवाब में इमरान मसूद ने खुलकर अपनी बात रखी तो कहीं संजय शर्मा ने उनसे जवाब मांगते हुए बातचीत को और दिलचस्प बना दिया। गठबंधन होगा या नहीं, कांग्रेस कितनी सीटों पर समझौता करेगी और क्या दोनों दलों के बीच बढ़ी तल्खी दूर हो पाएगी इस बेबाक बातचीत में इन सभी सवालों के जवाब मौजूद हैं। गठबंधन में आखिर अड़चन कहां है?

➤ संजय शर्मा : इसके जवाब में रामगोपाल यादव ने क्या कहा?

➤ इमरान मसूद: कुछ नहीं। प्रोफेसर साहब बड़े आदमी हैं। सबसे बुजुर्ग थे। मैंने उनसे कहा कि सर, आप बैठे हैं, आपसे ज्यादा बुजुर्ग यहां कोई नहीं है। लेकिन देखिए, हम गठबंधन करने जा रहे हैं। सरकार आपको बनानी है, नेतृत्व आपको करना है। हमने पहले दिन ही तय कर लिया था कि बिहार वाली बात नहीं होनी चाहिए। हम पहले दिन से इसके लिए तैयार हैं। कम से कम हमारे लिए स्पेस तो रखिए। आप हमें ऐसी सीटें देंगे जो पहले दिन से हारी हुई दिखाई दे रही हैं, फिर कहेंगे कि कांग्रेस का स्ट्राइक रेट खराब है। इसमें हमारा क्या दोष?

➤ संजय शर्मा : लेकिन आप कहते हैं कि रामगोपाल यादव बड़े आदमी हैं, उनका सम्मान करते हैं। उन्होंने बाहर भी वही बात कह दी जो अंदर कही थी। इसमें परेशानी क्या है?

➤ इमरान मसूद: मैं कह रहा हूं कि फिर आप हमें बेइज्जत क्यों कर रहे हैं? अंदर की बात बाहर नहीं जाएगी, ऐसा तय हुआ था। फिर 26 सीटों की सूची प्रेस के माध्यम से क्यों आ गई? मैंने तो समझा कि प्रेस वाले हवा में सूत्र चला रहे हैं। जब सूची का मिलान किया तो पता चला कि वही बातें हैं। हो सकता है अखिलेश यादव ने राहुल गांधी को भेज दी हो। राहुल गांधी ने तो कोई बयान नहीं दिया।

➤ संजय शर्मा : यानी दो बड़े नेता राहुल और अखिलेश जब बैठकर बात कर रहे होते हैं तो दोनों तरफ की सेनाएं तापमान बढ़ाती हैं, ताकि अपने बॉस की ताकत दिखा सकें?

➤ इमरान मसूद: देखिए, हमारी पार्टी भी सर्वाइव करेगी कि नहीं करेगी? बिल्कुल करेगी। हमें उसका हक है। हम अपने सर्वाइवल के लिए लड़ रहे हैं। इस समय सर्वाइवल जरूरी है।

➤ संजय शर्मा : बीजेपी को हराना जरूरी है, लेकिन बीजेपी बिना आपके सर्वाइवल के भी हार सकती है। आपने 2022 में हरा लिया होता। तब आपके साथ सब थे।

➤ इमरान मसूद : 2022 में हम 112 पर टिक गए थे। उस समय माहौल बना हुआ था। अभी भी बीजेपी के खिलाफ माहौल बनेगा।

➤ संजय शर्मा : मायावती और चंद्रशेखर आजाद के बीच दलित राजनीति की नई तस्वीर बन रही है। कांग्रेस इस समीकरण में कहां खड़ी है? क्या दलितों का समर्थन कांग्रेस को मिल रहा है?

➤ इमरान मसूद : मायावती बड़ी नेता हैं। उन्हें साथ लाने की कोशिशें कांग्रेस दस बार कर चुकी है। हमारा विषय कांग्रेस को मजबूत करना और उन लोगों को साथ लाना है, जो कांग्रेस के साथ आ सकते हैं। मैं दलितों के वोट से जीतकर नहीं आया हूं क्या? मुसलमान तो हमेशा वोट देता था, लेकिन दलितों ने भी वोट दिया, हिंदू भाइयों ने भी वोट दिया। सबने मिलकर मुझे जिताया। हमारे उत्तर प्रदेश प्रभारी ने मिशन मूवमेंट को करीब से देखा है। पार्टी की व्यवस्था है कि जिस राज्य का प्रभारी होगा, वह उसी राज्य का व्यक्ति नहीं होगा।

➤ संजय शर्मा : उत्तर प्रदेश में बीजेपी अगर आ गई तो कांग्रेस का क्या हाल होगा, पता है आपको?

➤ इमरान मसूद: कांग्रेस का हाल अब क्या है? जीरो से ज्यादा नीचे क्या ले जाएंगे आप? बताइए। मैं आज गारंटी कर रहा हूं कि हम जितना आप कह रहे हैं, उससे बहुत ऊपर जाएंगे।

➤ संजय शर्मा : अकेले लड़ेंगे तो क्या होगा?

➤ इमरान मसूद : हम लोग 403 सीटों पर तैयारी किए हुए हैं। पता नहीं हमारा क्या हाल होगा, लेकिन दूसरों का क्या हाल होगा, यह भी उन्हें पता होगा। गठबंधन नहीं हुआ तो जनता पिटेगी, फिर बुलडोजर चलेंगे। कम से कम मस्जिदों पर जो बुलडोजर चल रहे हैं, उन्हें बचाने के लिए ईगो छोड़कर बात कर लीजिए।

बातचीत का शेष पेज 8 पर

परिसीमन भाजपा की राजनीति की सबसे बड़ी गलती साबित होगा: अखिलेश यादव

» संसद के विशेष सत्र से पहले बोले सपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को केंद्र के प्रस्तावित परिसीमन कानून को लेकर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह कदम भाजपा की राजनीति की सबसे बड़ी गलती साबित होगा। संसद के आगामी सत्र से पहले, प्रस्तावित परिसीमन और महिला आरक्षण को लेकर चल रही राजनीतिक बहस के बीच यादव की यह टिप्पणी आई है।

अगले हफ्ते होने वाले संसद के विशेष सत्र से पहले, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि परिसीमन विधेयक सत्ताधारी पार्टी के लिए सबसे बड़ी गलतियों में से एक हो सकता है। यादव ने लिखा परिसीमन (डिलिमिटेशन) बीजेपी की राजनीति में सबसे बड़ी गलती साबित होगा।



विपक्षी दलों को तोड़ रही बीजेपी : मणिकम टैगोर



तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और सांसद मणिकम टैगोर ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि वह विपक्षी दलों को तोड़कर और कुछ दलों का मौन समर्थन हासिल करके, प्रस्तावित परिसीमन विधेयक को पारित करने के लिए जरूरी संख्या जुटाने की कोशिश कर रही है। एक्स पर एक पोस्ट में टैगोर ने 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक संसद का चार दिवसीय सत्र बुलाने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रश्नकाल, शून्यकाल और निजी सदस्यों के विधेयकों (प्राइवेट मेंबर्स बिल्स) को रद्द कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया, अब, अपने 322 वोटों के साथ, वे विपक्षी दलों को तोड़कर और कुछ अन्य दलों का मौन समर्थन हासिल करके, 360 के जादुई आंकड़े तक पहुंचने के लिए साजिशों का जाल बुन रहे हैं। संभवतः डीएमके की ओर इशारा करते हुए, टैगोर ने उन दलों पर भी निशाना साधा, जिन्होंने पहले परिसीमन का विरोध किया था, लेकिन अब अपने रुख पर पुनर्विचार कर रहे हैं।

महिला आरक्षण विधेयक कांग्रेस के समर्थन से पारित हो चुका है : पी. चिदंबरम



इससे पहले, कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने एक नए महिला आरक्षण विधेयक की आवश्यकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 पहले ही कांग्रेस के समर्थन से पारित हो चुका है। लोकसभा सचिवालय ने गुरुवार को घोषणा की कि 18वीं लोकसभा के आठवें सत्र का दूसरा भाग 30 नवंबर से शुरू होगा और सरकारी कामकाज की जरूरतों को देखते हुए, इसके 3 दिसंबर को समाप्त होने की संभावना है।

जनता को गुमराह कर रही सरकार : जयराम रमेश

शुक्रवार को कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर संसद के आगामी विशेष सत्र के एजेंडे को लेकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह सत्र महिलाओं के आरक्षण के लिए नहीं, बल्कि परिसीमन के लिए बुलाया जा रहा है, जबकि महिलाओं के आरक्षण से जुड़ा कानून पहले ही पास हो चुका है। एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम जिसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण का प्रावधान है - को सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से पारित किया था, लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने इसे लागू करने में देरी की है। उन्होंने कहा एक बार फिर, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की यह शरारती जोड़ी झूठ बोल रही है। महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम सितंबर 2023 में संसद में सर्वसम्मति से पास हुआ था।

युवाओं और पार्टी की आवाज दबा रही सरकार : सौरव दास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने राष्ट्रीय सह-संयोजक सौरव दास को ब्रिटेन जाने से रोके जाने पर केंद्र सरकार की आलोचना की है। सीजेपी के अनुसार, वैध वीजा होने के बावजूद सौरव को दिल्ली एयरपोर्ट पर रोक दिया गया।



पार्टी के अनुसार, एयरपोर्ट पर अधिकारियों ने सौरव को पासपोर्ट में गड़बड़ी की बात कहकर रोका था। उन्हें बताया गया था कि पासपोर्ट को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। सौरव का कहना है कि उन्होंने अधिकारियों से पूछा था कि क्या उनके खिलाफ एलओसी जारी है या विदेश जाने पर रोक है, लेकिन उन्हें ऐसी कोई जानकारी नहीं दी गई। सौरव दास ने आरोप लगाया कि उनके विदेश जाने पर रोक लगाने के लिए अलग-अलग कारण बताए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह कानून से बच नहीं रहे हैं और मुंबई पुलिस चाहे तो उन्हें गिरफ्तार कर सकती है। उन्होंने सरकार पर युवाओं और उनकी पार्टी की आवाज दबाने का आरोप भी लगाया।

योगी नहीं, तो यूपी नहीं: संजय राउत

2027 विधानसभा चुनाव से पहले उद्धव गुट के सांसद ने सीएम की तारीफ में पढ़े कसीदे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले राज्य के सियासी गलियारों में नेतृत्व और मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर चल रही अटकलों के बीच एक चौंकाने वाला बयान सामने आया है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खुलकर प्रशंसा की।

राउत ने योगी आदित्यनाथ को एक सक्षम नेता करार देते हुए विश्वास जताया कि राज्य में उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अधिकांश विधायकों का समर्थन प्राप्त है और आगे भी मिलता रहेगा। संजय राउत की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब 2027 के आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में भाजपा के भीतर नेतृत्व को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने खुद को पार्टी के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में पेश करने के योगी आदित्यनाथ के कदम को उल्लेखनीय बताया और कहा कि उन्हें यूपी के मुख्यमंत्री की नेतृत्व क्षमता पर पूरा भरोसा है। राउत ने कहा कि योगी जी ने स्वयं को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया है, जो प्रशंसनीय है। उन्होंने



योगी आदित्यनाथ को एक सक्षम व्यक्ति बताते हुए कहा, हम भी योगी जी को बहुत पसंद करते हैं। इसके साथ ही राउत ने योगी को हिंदुत्व के सबसे बड़े चेहरों में से एक बताया और दावा किया कि भाजपा के यह दिग्गज नेता उत्तर प्रदेश की सत्ता की कमान संभाले रहेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा, अगर योगी नहीं, तो उत्तर प्रदेश भी नहीं। योगी जी उत्तर प्रदेश में ही रहेंगे। योगी आदित्यनाथ के इस दावे पर कि वह BJP के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं, राउत ने कहा कि यूपी के मुख्यमंत्री को पूरा भरोसा है कि 2027 के विधानसभा चुनावों में पार्टी बहुमत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ को विश्वास है कि आगामी चुनावों में बीजेपी के कई उम्मीदवार जीतेंगे और जब पार्टी के विधायक अपना नेता चुनने के लिए बैठक करेंगे, तो वे उनका समर्थन करेंगे। राउत ने बताया कि विधायक दल के नेता को ही मुख्यमंत्री चुना जाता है, और योगी आदित्यनाथ को पूरा भरोसा है कि चुने गए विधायक उनका समर्थन करेंगे। यह बयान ऐसे समय में आया है जब उत्तर प्रदेश के अहम विधानसभा चुनावों के लिए बीजेपी की रणनीति पर राजनीतिक हलकों का ध्यान तेजी से बढ़ रहा है। चूंकि योगी आदित्यनाथ अभी मुख्यमंत्री हैं, इसलिए पार्टी के नेतृत्व के चेहरे और उसकी चुनावी रणनीति को लेकर उठने वाले सवाल इस राजनीतिक मुकाबले के केंद्र में बने रहने की संभावना है।राउत ने बीजेपी के भीतर असंतोष की खबरों को ज्यादा तवज्जो नहीं दी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों में मतभेद और असंतोष होना एक आम बात है।

उन्होंने तर्क दिया कि कोई भी राजनीतिक संगठन यह उम्मीद नहीं कर सकता कि उसका हर सदस्य उसके नेतृत्व से संतुष्ट हो। अपनी बात साबित करने के लिए उन्होंने खुद बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व का उदाहरण दिया।उन्होंने कहा, क्या मोदी जी की पार्टी में हर कोई उनसे खुश रहता है? क्या अमित शाह जी की पार्टी में हर कोई उनसे खुश है? ऐसा नहीं है। राउत की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले उत्तर प्रदेश में बीजेपी की नेतृत्व योजनाओं को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं।

चुनावी चालबाजी है समाजवादी पार्टी का घोषणापत्र : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सपा द्वारा हाल ही में जारी जन इच्छापत्र को खारिज करते हुए इसे सिर्फ खोखले वादे और पैसे पर केंद्रित घोषणापत्र करार दिया, न कि जन कल्याण के प्रति कोई वास्तविक प्रतिबद्धता।



एक्स पर एक पोस्ट में, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि स्क्क का यह घोषणापत्र उनकी पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) पहल जैसा ही है और यह दिखावा ज्यादा, सार कम वाली कहावत को चरितार्थ करता है। मायावती ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी (सपा) ने हमेशा एक ऐसी संकीर्ण, जातिवादी और बड़े कारोबारियों के पक्ष वाली नीति अपनाई है, जो गरीबों, दलितों, पिछड़े वर्गों, मुसलमानों और समाज के अन्य वर्गों के हितों, कल्याण, सम्मान और सुरक्षा के खिलाफ है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में हाल ही में हुए राज्यसभा चुनावों का उदाहरण देते हुए कहा कि सपा ने पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) का समर्थन करने के बजाय एक अमीर कारोबारी को प्राथमिकता दी, जो उनकी राजनीतिक सोच को दर्शाता है। यह सवाल उठाते हुए कि क्या ऐसी नीतियां राज्य की समस्याओं - जैसे गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ेपन और पलायन - को हल कर सकती हैं, मायावती ने कहा कि स्क्क के घोषणापत्र में जन कल्याण के बजाय आर्थिक हितों पर ज्यादा जोर दिया गया है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह पार्टी जनहित और सामाजिक कार्यों के प्रति समर्पित लोगों के बजाय अमीर उम्मीदवारों और बाहुबलियों को ही मैदान में उतारती रहेगी। अपनी पार्टी के कामकाज का बचाव करते हुए मायावती ने कहा कि हर हाथ को काम और कानून के जरिए कानून का राज जैसे सिद्धांत बसपा के हैं, जिन्हें उत्तर प्रदेश में उनकी चारों सरकारों के दौरान लागू किया गया था। उन्होंने SP पर यह आरोप भी लगाया कि उनका इतिहास अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के लिए आरक्षण का विरोध करने का रहा है, और राज्य में जाति-आधारित नफरत और दंगों को बढ़ावा देने में भी उनका हाथ रहा है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी



हरियाणा में गैंगराज कायम, सरकार गायब : रणदीप सुरजेवाला

» कांग्रेस नेता भाजपा की सैनी सरकार पर बरसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। रोहतक के खरावड़ में पुलिस चौकी से महज 50 कदम की दूरी पर स्थित मिलन ढाबे पर बुधवार देर रात हुई अंधाधुंध फायरिंग में चार युवकों की हत्या के बाद प्रदेश की सियासत गरमा गई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने घटना को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है।

सुरजेवाला ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रि या देते हुए कहा कि हरियाणा



में अब कानून का नहीं, बल्कि अपराध का शासन चल रहा है। प्रदेश में गैंग सक्रिय हैं और सरकार गायब है। उन्होंने कहा कि फिरौती, ताबड़तोड़ गोलीबारी और अपहरण जैसी घटनाएं हरियाणा की रोजमर्रा की जिंदगी बनती जा रही हैं। पुलिस चौकी के इतने नजदीक चार युवकों की हत्या प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था का गंभीर उदाहरण है।

उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को चुटकुलों और पंजाब भ्रमण से फुर्सत मिले तो उन्हें हरियाणा की जनता की जिंदगी और सुरक्षा की भी चिंता करनी चाहिए। सुरजेवाला ने सरकार से प्रदेश में कानून व्यवस्था दुरुस्त करने और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। संविधान दिवस पर सरकार की जवाबदेही पर उठाए सवाल संविधान दिवस के अवसर पर सुरजेवाला ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए सरकार की जवाबदेही को लेकर भी कई सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या किसानों, दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को न्याय एवं बराबरी का अधिकार मिल रहा है? क्या महिलाओं को समान भागीदारी, युवाओं को रोजगार और मजदूरों को सम्मानजनक काम मिल रहा है? क्या व्यापारी बिना किसी डर के अपना कारोबार कर पा रहे हैं? उन्होंने कहा कि संविधान तभी सार्थक है, जब सत्ता जनता के प्रति जवाबदेह हो और संवैधानिक मर्यादाओं का पालन करे। उन्होंने देशवासियों से संविधान के अनुरूप शासन चलाने और सरकार से जवाबदेही मांगने का संकल्प लेने की अपील की।

तमिलनाडु में फिर गरमाई सियासत, आएगी आफत

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी दीपाथून पर नहीं जला दीप

» अदालती आदेश की अवहेलना का आरोप

» बीजेपी ने विजय सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में जबसे नई सरकार आई है विवाद थमने के नाम नहीं ले रहे हैं। कभी कानून व्यवस्था को लेकर डीएमके उस पर हमलावर रहती है तो कभी-कभी सहयोगी भी रूष्ट हो जाते हं। अब दीपाथून पर कार्तिगई दीप को लेकर तमिलनाडु में सियासत गरमा गई है। भाजपा समेत कई हिंदू संगठनों ने टीवीके विजय सरकार के खिलाफ हल्ला बोल दिया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद तमिलनाडु में तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी के दीपाथून पर कार्तिगई दीप न जलाकर पारंपरिक स्थल पर ही जलाया गया।

इस पर अदालती आदेश की अवहेलना का आरोप लगाते हुए बीजेपी और हिंदू संगठनों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किए। वहीं, सत्तापक्ष के सहयोगी दलों ने पुरानी धार्मिक परंपरा बनाए रखने के फैसले का समर्थन किया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय की सरकार मदुरै के तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम जलाने को लेकर विवादों में घिर गई है। 24 नवंबर को दीपाथून नाम के पत्थर के खंभे पर दीप जलाने के बजाय हर साल की तरह उची पिल्लैयार मंदिर के पास दीप जलाया गया। यह फैसला ऐसे समय में हुआ, जब सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को एक सीमित और एक बार की व्यवस्था के तहत दीपाथून पर दीप जलाने की अनुमति दी थी। इस मामले को लेकर बीजेपी और कई हिंदू संगठनों ने राज्य सरकार की आलोचना की है। वहीं, विपक्षी दलों और सरकार के सहयोगियों के बीच भी इस मुद्दे पर मतभेद सामने आए हैं।



सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी दीपाथून पर नहीं जला दीप

सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर को अपने अंतरिम आदेश में मंदिर प्रशासन की ओर से अधिकृत सीमित टीम को 24 नवंबर को दीपाथून पर दीप जलाने की अनुमति दी थी। कोर्ट ने यह भी साफ किया था कि यह सिर्फ इस साल के लिए एक बार की व्यवस्था है। इससे उस जगह पर किसी स्थायी धार्मिक या मालिकाना हक की पुष्टि नहीं होती। हालांकि, मंगलवार शाम को दीपाथून पर दीप नहीं जलाया गया। इसके बजाय उची पिल्लैयार मंदिर के पास पारंपरिक स्थान पर ही दीप प्रज्वलित किया गया। इस घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किए जाने को लेकर सवाल उठने लगे।

गठबंधन सहयोगियों को खुश करने के लिए सरकार ने करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई : बीएल संतोष

दीपाथून पर दीप नहीं जलाए जाने के बाद बीजेपी नेताओं ने राज्य सरकार की आलोचना की। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर मदुरै के जिला कलेक्टर पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, मदुरै के जिला कलेक्टर, जो तमिलनाडु सरकार का हिस्सा हैं, सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना करते हुए दीपाथून के पत्थर के खंभे के बजाय उचीपिल्लैयार मंडपम में कार्तिगई दीपम जला रहे हैं। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि गठबंधन सहयोगियों को खुश करने के लिए सरकार ने करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि विजय सरकार को इस मामले में कानूनी और सांस्कृतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

सहयोगी दलों के रुख से बढ़ी सरकार की मुश्किल

इस फैसले को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद सरकार ने दीपाथून पर दीप जलाने की व्यवस्था क्यों नहीं की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कांग्रेस, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग, विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके), सीपीआई और सीपीआई (एम) विवादित जगह पर दूसरा दीप जलाने के पक्ष में नहीं थे। वामपंथी दलों और वीसीके ने पुरानी परंपरा को जारी रखने की बात कही थी। तमिलनाडु कांग्रेस अध्यक्ष मणिकम टैगोर ने भी धार्मिक सद्भाव का हवाला देते हुए पारंपरिक जगह पर ही दीप जलाने के फैसले का समर्थन किया।

तमिलनाडु के कई इलाकों में प्रदर्शन, पुलिस ने लोगों को हिरासत में लिया



दीपाथून पर दीप नहीं जलाए जाने के विरोध में तमिलनाडु के कई हिस्सों में प्रदर्शन हुए। रामनाथपुरम में हिंदू फ्रंट के कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और सुप्रीम कोर्ट का आदेश लागू करने की मांग की। सड़क जाम करने वाले कुछ लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया। वहीं, पोलाची में हिंदू मुन्नानी के सदस्यों ने सड़क जाम कर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हिंदू मुन्नानी, बीजेपी और विश्व हिंदू परिषद पिछले साल से ही इस मुद्दे पर आंदोलन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों को हटाने और हिरासत में लेने के दौरान वहां कुछ समय के लिए तनाव भी रहा। हिंदू धर्म परिषद ने भी पहले मदुरै के जिला कलेक्टर को कानूनी नोटिस भेजा था। संगठन की ओर से चेतावनी दी गई थी कि अगर 24 नवंबर को दीपाथून पर दीप नहीं जलाया गया, तो 25 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में अवमानना की कार्रवाई की मांग की जाएगी।

क्या है तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी का पूरा विवाद?

मदुरै की तिरुपरनकुंद्रम पहाड़ी की तलहटी में भगवान मुरुगन के छह प्रमुख निवास स्थलों में से एक सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर स्थित है। पहाड़ी के ऊपरी हिस्से में हजरत सुल्तान सिकंदर बदूशा औलिया दरगाह है। विवादित पत्थर का खंभा, जिसे दीपाथून कहा जाता है, दरगाह से करीब 50 मीटर की दूरी पर है। हिंदू संगठन लंबे समय से इस खंभे पर कार्तिगई दीपम जलाने की मांग कर रहे हैं। वहीं, मंदिर के पुजारियों के अनुसार, परंपरा के मुताबिक दीप उची पिल्लैयार मंदिर के पास ही जलाया जाता रहा है। इसी जगह को लेकर धार्मिक परंपरा, अधिकार और कानूनी आदेश का विवाद चल रहा है।

सुधांशु त्रिवेदी का निशाना, इंडिया गठबंधन के लिए बनेगा दूसरा शाहबानो केस

तमिलनाडु में कार्तिगई दीपम को लेकर उठे विवाद पर भाजपा ने इंडिया गठबंधन और कांग्रेस को घेरा है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु सरकार ने कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर कार्तिगई दीपम जलाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं किया। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और इंडिया गठबंधन से सवाल करते हुए कहा कि जो लोग संविधान को अपनी जेब में लेकर घूमने की बात करते हैं, वे अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान क्यों नहीं कर रहे हैं। सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे हमेशा संविधान की रक्षा की बात करते हैं, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के पालन के मुद्दे पर चुप क्यों हैं? उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट संविधान का संरक्षक है और उसके निर्णय



का सम्मान करना सभी की जिम्मेदारी है। भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि इस मामले ने संविधान की रक्षा का दावा करने वाले लोगों के दोहरे रवैये को उजागर कर दिया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कांग्रेस या इंडिया गठबंधन में किसी दूसरे धर्म के त्योहार के अवसर पर ऐसी कार्रवाई करने की हिम्मत है? त्रिवेदी ने इस विवाद को केवल एक धार्मिक आयोजन तक सीमित मामला मानने से इनकार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके पीछे इंडिया गठबंधन की सनातन धर्म को खत्म करने वाली विचारधारा काम कर रही है। उन्होंने इसे वैश्विक स्तर पर हिंदुत्व को कमजोर करने की कथित अंतरराष्ट्रीय साजिश से भी जोड़ा। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में सामने आया यह मामला कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि इंडिया गठबंधन और कांग्रेस के व्यवहार का हिस्सा है। हालांकि, ये सभी आरोप सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान लगाए हैं। भाजपा सांसद ने इस विवाद की तुलना शाहबानो प्रकरण से भी की। उन्होंने कहा कि यह मामला इंडिया गठबंधन और उसके सहयोगियों के लिए दूसरा शाहबानो मामला साबित हो सकता है। त्रिवेदी ने पूर्व राष्ट्रपति और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे प्रणब मुखर्जी की पुस्तक का भी हवाला दिया। उन्होंने कांची के शंकराचार्य की गिरफ्तारी का उल्लेख करते हुए कहा कि मुखर्जी ने अपनी पुस्तक में सवाल उठाया था कि क्या राज्य की मशीनरी ईद के दौरान किसी मुस्लिम धर्मगुरु को गिरफ्तार करने का साहस करती? त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में कार्तिगई दीपम को लेकर पैदा हुआ विवाद धार्मिक आस्था, संवैधानिक अधिकारों और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। उन्होंने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन से इस पर अपना रुख स्पष्ट करने की मांग की।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

महिला आर्थिक सशक्तिकरण से भारत बनेगा विकसित देश

किसी महिला का घर में अपमानित होना, दहेज के लिए प्रताड़ित होना, कार्यस्थल पर उत्पीड़न सहना, सड़क पर असुरक्षित महसूस करना, यौन हिंसा का शिकार होना या डिजिटल माध्यमों से उसकी निजता और गरिमा को चोट पहुंचाना- इनमें से हर घटना समाज की उस मानसिकता को उजागर करती है, जिसमें स्त्री को बराबरी का मनुष्य मानने की भावना अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुई है।

सरकार महिला सशक्तीकरण की बाते तो बहुत करती है पर अब भी उनके खिलाफ अत्याचार देश के कई कोनो में जारी है। चाहे जैसी भी बात की जाए पर इसमें कोई शक नहीं महिलाओं की भय-हिंसा मुक्ति से ही विकसित भारत का सपना संभव है। ये भी सत्य है कि का आर्थिक सशक्तिकरण भी हिंसा के विरुद्ध एक प्रभावी कवच है। जो महिला शिक्षित है, आर्थिक रूप से सक्षम है, अपने अधिकारों से परिचित है और आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त कर सकती है, उसके लिए हिंसक परिस्थितियों से बाहर निकलने की संभावना अधिक होती है। महिला हिंसा केवल किसी एक महिला के साथ हुआ अपराध नहीं है, यह पूरी मानवता की चेतना पर लगा हुआ घाव है। किसी महिला का घर में अपमानित होना, दहेज के लिए प्रताड़ित होना, कार्यस्थल पर उत्पीड़न सहना, सड़क पर असुरक्षित महसूस करना, यौन हिंसा का शिकार होना या डिजिटल माध्यमों से उसकी निजता और गरिमा को चोट पहुंचाना-इनमें से हर घटना समाज की उस मानसिकता को उजागर करती है, जिसमें स्त्री को बराबरी का मनुष्य मानने की भावना अभी पूरी तरह विकसित नहीं हुई है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस इसलिए केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन और सामाजिक संकल्प का दिन है। 25 नवंबर से 10 दिसंबर तक चलने वाला 16 दिवसीय अभियान हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं के विरुद्ध हिंसा समाप्त करना केवल कानून और सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। यह परिवार, समाज, पुरुष, संस्थाओं, न्याय-व्यवस्था और प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। संयुक्त राष्ट्र की 2026 की थीम-महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को खत्म करने के लिए एकजुट हों, न्याय सुनिश्चित करें, पीड़ितों की सुरक्षा करें, और दोषियों को सजा से बचने न दें-का मूल संदेश स्पष्ट है कि महिलाओं से जुड़े अपराधों एवं हिंसा पर नियंत्रण हो, न्याय सुनिश्चित हो, पीड़ितों की सुरक्षा हो और अपराधियों को दंड से बचने की संस्कृति समाप्त हो। सम्मान, सुरक्षा और समान अवसर ही नारी-मुक्ति का वास्तविक रास्ता है, इसी से विकसित भारत संभव है। आज दुनिया ने महिला हिंसा के अनेक पुराने चेहरों को पहचान लिया है, लेकिन हिंसा ने भी अपना स्वरूप बदल लिया है। घरेलू हिंसा, दहेज, बाल विवाह, यौन शोषण और बलात्कार के साथ अब साइबर उत्पीड़न, ऑनलाइन धमकी, निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, डिजिटल निगरानी और कार्यस्थल पर मानसिक दबाव जैसी नई चुनौतियां सामने हैं। इसलिए महिला सुरक्षा की लड़ाई केवल पुलिस थाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे घर की मानसिकता, विद्यालय की शिक्षा, कार्यस्थल की संस्कृति और डिजिटल व्यवहार तक ले जाना होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विकसित देश जिम्मेदारी निभाने को आगे आएं

सुरेश सेठ

धरती गर्म हो रही है। धरती के तापमान में 1850 से 1900 के बीच की अवधि की तुलना में 1.47 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हो गई है। स्टेट ऑफ द क्लाइमेट रिपोर्ट, जिसे डब्ल्यूएमओ ने संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन, तुर्किए में जारी किया है, वह आने वाले महासंकट की ओर इशारा कर रही है। पिछले चार वर्षों का इतिहास देख लीजिए, हर वर्ष मौसम गर्म हो रहा है। वर्ष 2024 को इस सदी के इतिहास का सबसे गर्म साल कहा गया था, लेकिन 2026 का मौसम भी इसके आसपास है। यह धरती पर जीवन के लिए अज्ञात कठिनाइयां पैदा कर सकता है। भारत में 2026 बहुत गर्म वर्ष रहा। बेशक, तापमान की यह उछाल 2026 को जहां एक गर्म वर्ष बना देती है, वहीं बारिश को बादल फटने और बाढ़ आने में तब्दील करके एक आपदा भी खड़ी कर देती है। उधर, हिमालय की चोटियों पर ग्लेशियरों की उम्र कम हो गई है। इसका कारण ग्लोबल वार्मिंग बताया जा रहा है।

इससे ग्लेशियर जल्दी पिघल जाते हैं और वहां से पानी नीचे की ओर बहकर जलप्रलय की तबाही पैदा कर देता है। भारत ने इस वर्ष इसे भोगा। इसका सीधा नतीजा यह हुआ कि बुआई के लिए धरती कम हो गई, फसलों की गुणवत्ता कम हुई, जिससे अनाज के भंडारण में कमी पैदा हो गई। यही स्थिति अब गेहूं की फसल की न हो, जिसे हम बोने जा रहे हैं। इसलिए इस असंतुलन को पैदा करने वाले कारणों की थोड़ी पड़ताल कर लें। महासागरों का तापमान लगातार कई वर्षों से बढ़ रहा है और इस वर्ष अल नीनो के प्रभाव ने इसे और बढ़ाया। भारत में कृषि तो पहले ही मानसून का जुआ थी, अब मौसम का जुआ बन गई है। पहला बड़ा कारण कार्बन उत्सर्जन और ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन बताया जा रहा था। अब इसमें समुद्री लहरों का बढ़ता हुआ तापमान भी शामिल हो गया है। अल नीनो से पैदा संकट भी सामने आ गया। यह एक बहुत खर्चीला युद्ध है। तीसरी दुनिया के देशों ने इसके संघर्ष के लिए भारत की ओर देखना ही था, लेकिन अमेरिका और अन्य पश्चिमी समृद्ध देशों ने भी इसकी जिम्मेदारी भारत पर छोड़ने का प्रयास किया।

भारत वैश्विक नेतृत्व संभालने के लिए तैयार है, लेकिन इस संघर्ष के लिए जो लंबी-चौड़ी राशि खर्च होनी है, वह कहां है? ऐन मौके पर समृद्ध देश तो पीछे हट गए कि हमारा तो औद्योगिक क्रांति का युग कब का खत्म हो गया, अब आप लोग औद्योगिक क्रांति की राह पर हैं। कार्बन से लेकर अतिरिक्त ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन आपके देशों से हो रहा है, इसे शून्य भी



आप ही कीजिए। आज नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली ग्रिड, ऊर्जा भंडारण और उभरती स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के जरिये नए प्रदूषण से निपट लिया जाए, जो समुद्र और धरती से पैदा हो रहा है, तो 22.7 लाख करोड़ डॉलर के निवेश के अवसर पैदा हो सकते हैं। दरअसल, सवाल तेज आर्थिक वृद्धि और कार्बन उत्सर्जन में कमी के बीच संतुलन पैदा करने का है। इसलिए शेष नहीं, बल्कि समस्त राशि की व्यवस्था करने में विदेशी निवेशकों और अंतरराष्ट्रीय वित्त बाजारों को अपनी भूमिका निभाने के लिए आगे आना होगा। इस अभियान को गति देने से लेकर पूरा करने तक में साढ़े छह लाख करोड़ डॉलर की कमी पड़ रही है। इसे अंतरराष्ट्रीय पूंजी से पूरा नहीं करेंगे, तो कैसे होगा? परंतु धरती का सत्य यह है कि दुनिया के सबसे धनी देश अमेरिका सहित अन्य सभी पश्चिमी समृद्ध ताकतें इस समस्या को अपनी समस्या नहीं मान रही हैं। वे बयानबाजी अवश्य करती हैं, लेकिन धनराशि के योगदान के लिए प्रस्तुत नहीं होतीं। जितने योगदान की बात उन्होंने कही है, वह इसकी जरूरत से कहीं कम है। नतीजा यह निकला है कि शून्य उत्सर्जन वाले निवेश का लक्ष्य प्राप्त करने की वार्षिक तिथि लगातार स्थगित हो रही है और अब 2070 तक आ गई है, जबकि यह काम बहुत पहले सामूहिक रूप से सबके द्वारा शुरू हो जाना चाहिए था। इसलिए गैस उत्सर्जन के एकमात्र गुनहगार ग्लोबल साउथ के देश ही नहीं हैं, वे समृद्ध देश भी तो हैं, जिन्होंने अपनी-अपनी औद्योगिक क्रांति के समय गैस उत्सर्जन से यह संकट पैदा किया। अब इसके परिणाम हमारे सामने आ रहे हैं। तीसरी दुनिया के देश ही इस लड़ाई को पूरी तरह नहीं लड़ सकते, चाहे औपचारिक रूप से भारत इसका नेतृत्व संभालने के लिए तैयार है।

सच यही है कि अपना स्वार्थ छोड़कर अमेरिका और अन्य पश्चिमी समृद्ध देशों को भी इस लड़ाई में पूरी शक्ति के साथ शामिल होना पड़ेगा। याद रखिए, गर डूबेगी कश्ती तो डूबेंगे सारे। इसलिए जरूरत है कि इस समय सभी देश अपनी पूरी आर्थिक सामर्थ्य के अनुसार इस प्रदूषण से पैदा प्राकृतिक विकृति को और न बढ़ने दें। पिछले कुछ वर्षों से स्थगित होती इस लड़ाई को कम से कम अब शुरू कर दिया जाए।

अग्निपथ योजना में बदलाव का सही समय

एडमिरल अरुण प्रकाश (सेवानिवृत्त)



लागू होने के चार साल बाद, अग्निपथ योजना के समक्ष पहली बड़ी चुनौती बनी, और सरकार ने चुपचाप नीति में बदलाव कर दिया। गत 4 नवंबर को, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अग्निवीरों की सेवा अवधि में दो साल के विस्तार को मंजूरी दे दी। चार साल का अनुबंध पूरा होने के बाद, जो अग्निवीर योग्यता के आधार पर शीर्ष 25 फीसदी में नहीं आ पाएंगे, उन्हें बतौर नियमित सैनिक शामिल होने का एक और मौका मिलेगा। अगर तो यह वास्तव में योजना को वापस लेने की शुरुआत है, तो स्वागतयोग्य है। लेकिन चार साल बाद ऐसा बदलाव होने पर वह सवाल उठता है जिसका उत्तर 2022 में कभी सही नहीं दिया गया था सर्वप्रथम, एक समयसिद्ध, सफल व अच्छी तरह स्थापित प्रणाली इतनी जल्दबाजी में क्यों बदली जा रही है? 14 जून, 2022 को प्रेस सूचना ब्यूरो के एक नोट में कहा गया कि इस योजना से 'सशस्त्र बलों का चेहरा युवा रहेगा', 'नया जोश और जज्बा भरेगा' व सेना 'और अधिक तकनीक-कुशल' बनेगी।

इसमें देशभक्ति, टीमवर्क, शारीरिक फिटनेस व देश के प्रति निष्ठा जैसे लाभों का भी जिक्र किया गया था। उक्त 'तर्कों' में से एक भी भर्ती की एक स्थापित प्रणाली, बुनियादी प्रशिक्षण व सैनिकों को चरणबद्ध रूप से शामिल करने की व्यवस्था को ध्वस्त करके, उसकी जगह एक ऐसी योजना लाने को न्यायोचित नहीं ठहराती, जिसे पहले कभी आजमाया नहीं हो और जो मूलत: त्रुटिपूर्ण है। जिन्होंने भर्ती रैलियां देखी हैं या उनके बारे सुना है, वे जानते हैं कि हमारे देश के युवाओं में जोश-जज्बे की कोई कमी नहीं; वे हजारों की संख्या में सेना में शामिल होने आते हैं। हमारी रेजिमेंटों, युद्धपोतों और स्क्वाड्रनों में नियुक्त फौजियों में देशभक्ति, टीमवर्क और फिटनेस पर कभी कोई सवाल नहीं उठा। साथ ही, 'देश के प्रति वफादारी' पैदा करने का तर्क इतना भी मजबूत नहीं कि इसके लिए कोई ऐसा उपाय किया जाए, जो दीर्घकाल में सशस्त्र बलों के मूल ढांचे पर ही असर डाल दे। भर्ती की औसत उम्र की घटाना एक अच्छा लक्ष्य लग सकता है, लेकिन उम्र का सीधा संबंध युद्ध लड़ने की क्षमता से नहीं होता। यह क्षमता कौशल से बनती है, और कौशल हासिल करने में समय लगता है। ज्यादातर देहात से आने वाले और हमारी त्रुटिपूर्ण शिक्षा प्रणाली से निकले नए रंगरूटों के लिए चार से छह महीने का बुनियादी प्रशिक्षण नाकाफी है।

किसी सैनिक, नाविक या वायुसैनिक को जटिल और महंगे युद्धक उपकरण या हथियार सौंपना या उसको असल युद्ध जैसी स्थितियों में उतारने से पहले, दो-तीन साल का व्यावहारिक एवं काम के दौरान अनुभव पाने हेतु प्रशिक्षित करना अनिवार्य है। हो सकता है कि कोई नया रंगरूट स्मार्टफोन चलाने में माहिर हो, लेकिन रडार, फायर-कंट्रोल सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल, एयरो-इंजन या साधारण डीजल जनरेटर कैसे काम करते हैं, यह समझने और एक कुशल 'ऑपरेटर' बनने की महारत के लिए उसे महीनों प्रशिक्षण की जरूरत होगी। ऑपरेटरों के साथ 'मेंटेनर' होते हैं, जो इन प्रणालियों की सर्विसिंग करते हैं और खराबियां ठीक करते हैं।

इन्हें प्रशिक्षित होने में और ज्यादा समय लगता है। इन सबके ऊपर 'उस्ताद' होते हैं, जिनका दशकों का अनुभव होता है और ये उस्ताद अधिकारियों सहित सबको सिखाते हैं। साढ़े सत्रह साल की उम्र में भर्ती होने वाले हर सैनिक को सिखाने के लिए, सेनाओं को अनुभवी और युद्ध से तपे सूबेदार मेजर, मास्टर चीफ पेटी ऑफिसर और मास्टर वारंट ऑफिसर की जरूरत होती है, जो 54-56 साल की उम्र में रिटायर होते हैं। अगर आप इस व्यवस्था के साथ छेड़छाड़ करेंगे, तो कहीं न कहीं कीमत चुकानी ही पड़ेगी। इसका उदाहरण नौसेना में देखने को मिला, जिसने 2022 में अपना 'आर्टिफिसर कैडर' खो दिया, वह इकाई जो नौसेना के हथियार, सेंसर और मशीनरी के रखरखाव की आपूर्तिकर्ता होती है। अग्निपथ योजना के तहत, चार साल के कार्यकाल में से अगर बुनियादी प्रशिक्षण, वार्षिक छुट्टी और सेवामुक्त होने से पहले की अवधि घटा दें, तो एक सैनिक की वास्तविक उपलब्धता लगभग तीन साल ही बचती है। इससे कुछ परेशानीकारक सवाल उठते हैं क्या सेना ऐसे व्यक्ति को तकनीकी स्किल सिखाने में निवेश करना चाहेगी,जिसकी नौकरी जल्द ही खत्म होने वाली हो? क्या अग्निवीर खुद भी इन कौशलों को सीखने में दिलचस्पी लेगा, जब उसका आगे बने रहना ही पक्का न हो? योजना के तथाकथित लाभ दोनों ही पक्षों के लिए गलत दिशा की ओर इंगित करते हैं।

चाहे यह विचार सेना मुख्यालय से आया हो या रक्षा मंत्रालय ने थोपा हो, इतने बड़े बदलाव को पहले एक 'पायलट प्रोजेक्ट' के रूप में आजमाना चाहिए था— यानी इसे किसी एक या अधिक सैन्य यूनिटों में प्रयोग किया जाता, या बेहतर होगा कि 'टेरिटोरियल आर्मी' में लागू कर देखा जाता और फिर परिणामों का विश्लेषण किया जाता। इसके बजाय, पूरी सशस्त्र सेना पर अचानक इस जोखिम भरे प्रयोग को लाद दिया गया। हालांकि सरकार लगातार यह कहती रही है कि इसके पीछे कोई वित्तीय मकसद नहीं, लेकिन लगभग तय है कि अग्निवीर योजना रक्षा मंत्रालय के बढ़ते 'कार्मिक खर्चे' को नियंत्रित करने से चालित है, क्योंकि सब खर्चों के बाद,हथियारों और उपकरणों की खरीद के लिए उपलब्ध फंड में कमी आ जाती है। तथापि, पेंशन खर्च मद में बचत किए जाने की एवज में रक्षा क्षमताओं से समझौता करना बहुत बुरा सौदा है। अगर बचत इसका मुख्य उद्देश्य नहीं था,।

भारत की इन जगहों पर विदेश जैसा आनंद

जब भी खूबसूरत पहाड़ों, नीली झीलों, बर्फ से ढकी चोटियों और हरी-भरी वादियों में घूमने की बात आती है, तो अक्सर लोगों के दिमाग में स्विट्जरलैंड, आइसलैंड या यूरोप के दूसरे देश आते हैं। लेकिन भारत में भी ऐसी कई जगहें हैं, जिनकी प्राकृतिक खूबसूरती किसी विदेशी डेस्टिनेशन से कम नहीं लगती? हिमाचल प्रदेश के स्पीति वैली से लेकर लद्दाख के ऊंचे पहाड़ों, कश्मीर की हरी वादियों और नॉर्थ ईस्ट की मनमोहक पहाड़ियों तक, देश में कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं जो अपनी अनोखी भौगोलिक बनावट और शानदार नजारों के लिए मशहूर हैं। इन जगहों की खासियत सिर्फ इनकी खूबसूरती नहीं, बल्कि यहां का अलग-अलग प्राकृतिक वातावरण भी है। कहीं बर्फीले रेगिस्तान दिखाई देते हैं, तो कहीं पारदर्शी झीलें, बादलों से ढके पहाड़ और घने जंगल मन मोह लेते हैं। अगर आप विदेश जैसी लोकेशन पर घूमना चाहते हैं, तो भारत की ये सात जगहें आपकी ट्रैवल बकेट लिस्ट में जरूर होनी चाहिए।



गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर

बर्फ से ढके पहाड़, हरे-भरे मैदान और देवदार के जंगल गुलमर्ग को बेहद खूबसूरत बनाते हैं। सर्दियों में यह स्कीइंग के लिए लोकप्रिय है, जबकि गर्मियों में यहां की हरियाली और पहाड़ी नजारे पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

तवांग, अरुणाचल प्रदेश

तवांग अपनी खूबसूरत पहाड़ियों, बौद्ध मठों, झरनों और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता और पहाड़ी संस्कृति इसे नॉर्थ ईस्ट के खास पर्यटन स्थलों में शामिल करती है।



नुब्रा वैली, लद्दाख

नुब्रा वैली में रेत के टीलों, पहाड़ों और हरे-भरे हिस्सों का अनोखा मेल देखने को मिलता है। यहां के ठंडे रेगिस्तान और दो कूबड़ वाले बैक्ट्रियन ऊंट पर्यटकों को खास अनुभव देते हैं।

स्पीति वैली, हिमाचल प्रदेश

स्पीति वैली अपने ऊबड़-खाबड़ पहाड़ों, ठंडे रेगिस्तानी नजारों और छोटे-छोटे खूबसूरत गांवों के लिए मशहूर है। यहां की सूखी पहाड़ियां और विशाल घाटियां किसी दूसरे ग्रह जैसे दृश्य का एहसास कराती हैं। की मठ और चंद्रताल झील इस क्षेत्र के प्रमुख आकर्षणों में शामिल हैं।

पैंगोंग झील, लद्दाख

लद्दाख की पैंगोंग झील अपने नीले पानी और चारों ओर फैले ऊंचे पहाड़ों के लिए प्रसिद्ध है। रोशनी और मौसम के साथ झील के पानी का रंग बदलता हुआ दिखाई दे सकता है। इसका अनोखा प्राकृतिक दृश्य इसे भारत की सबसे आकर्षक जगहों में शामिल करता है।

दावकी और उमंगोट नदी, मेघालय

मेघालय की उमंगोट नदी अपने साफ पानी के लिए प्रसिद्ध है। अनुकूल मौसम और पानी की स्थिति में नावें पानी पर तैरती हुई प्रतीत होती हैं। आसपास की हरियाली और पहाड़ इस जगह को बेहद आकर्षक बनाते हैं।

गुरुडोंगमार झील, सिक्किम

सिक्किम में ऊंचाई पर स्थित गुरुडोंगमार झील चारों ओर से शानदार पहाड़ों से घिरी है। साफ मौसम में यहां का नजारा बेहद मनमोहक दिखाई देता है। अधिक ऊंचाई और कठिन मौसम के कारण यहां जाने से पहले यात्रा संबंधी नियमों और स्वास्थ्य सावधानियों की जानकारी लेना जरूरी है।



हंसना मना है

टीचर: 'हिम्मत ए मर्दा तो मदद ए खुदा' का मतलब बताओ? बच्चा: जो अपनी बीवी के सामने मर्द बनने की कोशिश करता है, उसकी मदद फिर खुदा ही कर सकता है?

अध्यापक संता से- ताजमहल किसने बनाया? संता - जी, कारीगर ने! अध्यापक गुस्से बोला- मेरा मतलब है कि बनवाया किसने था? संता-जी, ताजमहल ठेकेदार ने बनवाया था, अध्यापक बेहोश।

टीचर- इस मुहावरे को वाक्य में प्रयोग करके बताओ- मुंह में पानी आना, छात्र- जैसे ही मैंने नल की टोंटी से मुंह लगाकर नल चालू किया, मेरे मुंह में पानी आ गया, टीचर- गेट आउट।

अंकल बबलू से- तू स्कूल क्यों नहीं जाता, बबलू- कई बार गया अंकल पर वो वापिस भगा देते है, अंकल - क्यों? बबलू- कहते हैं भाग तेरा क्या काम लड़कियों के स्कूल में।

पत्नी- मैं घर छोड़कर जा रही हूं। पति- हां जान छोड़ो अब। पत्नी- बस आपकी यही जान कहने की आदत ना हमेशा मुझे रोक लेती है।

कहानी | क्रोधित राजा और ऋषि

ढोलकपुर नाम के साम्राज्य में एक जाने-माने ऋषि रहते थे, जो लोगों का भाग्य बताने के लिए प्रसिद्ध थे। उस राज्य का हर व्यक्ति उनके बारे में जानता था। एक दिन ऋषि के बारे में वहां के राजा को भी पता चला। राजा के मन में भी अपने भविष्य को जानने की इच्छा होने लगी। उसने अपने सैनिकों को ऋषि के पास भेजा और पूरे सादर-सम्मान से उन्हें महल लेकर आने का आदेश व आमंत्रण दिया। सैनिक ऋषि के पास गए और ऋषि को राजा का आमंत्रण सुनाते हुए उनसे महल चलने की प्रार्थना करने लगे। ऋषि तैयार हो गए। जब ऋषि महल पहुंचे, तो राजा ने बड़े ही उत्साह से उनका स्वागत-सत्कार किया और उन्हें अपने दरबार में सम्मान के साथ बैठाया। जब ऋषि ने थोड़ा आराम कर लिया, तो राजा ने ऋषि के सामने अपने मन की इच्छा रखी और उनसे अपने भविष्य के बारे में पूछा। ऋषि ने राजा से उसकी जन्मकुंडली मंगाई और उसे ध्यान से देखने लगे। कुछ देर तक राजा की कुंडली देखने के बाद ऋषि ने राजा को बताया कि भविष्य में उनका भाग्य आशीर्वाद भरा हुआ है और जीवन में सबकुछ अच्छा ही होगा। इस तरह ऋषि ने राजा के भाग्य में बारे में अच्छी-अच्छी बातें बताई। राजा खुद से जुड़ी अच्छी भविष्यवाणी सुनकर बहुत प्रसन्न हुआ। उसने ऋषि को सोने और चांदी का उपहार दिया। राजा ने ऋषि से अपने भविष्य से जुड़े दुर्भाग्य के बारे में पूछा। ऋषि ने राजा के दुर्भाग्य से जुड़ी बातें भी बता दीं। उन्हें सुनकर राजा बहुत क्रोधित हो गया। वह गुस्से में ऋषि पर चिल्लाने लगा और धमकाते हुए कहा कि इतनी बेतुकी बातें करने की आपकी हिम्मत भी कैसे हुई। राजा ने तलवार निकाली और कहा कि अब मुझे मेरी मृत्यु का समय बताओ। ऋषि समझ चुका था कि राजा अपना दुर्भाग्य सुनकर उसपर क्रोधित हो गया है। वह शांति से कुछ गणना करने लगा। फिर कहा कि आपकी मृत्यु मेरी मृत्यु के ठीक एक घंटे बाद होगी।'राजा ऋषि की यह बात सुनकर हैरान हो गया। अब उसे अपनी गलती का एहसास होने लगा। उसने तुरंत अपनी तलवार नीचे रखी और ऋषि के साथ किए गए अपने दुर्व्यवहार के लिए उनसे माफी मांगी। बाद में राजा ने ऋषि को ढेर सारा धन दिया और उन्हें वापस कुटिया में आदर व सम्मान के साथ भेज दिया।

7 अंतर खोजें





पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष संवाद कौशल और मेहनत से कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। संचार, मार्केटिंग और परिवहन से जुड़े व्यवसायों में अवसर मिलेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृषभ धन और संसाधनों से जुड़े मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें। मीडिया, वस्त्र, इत्र और कला क्षेत्र के व्यापारियों को अवसर मिल सकते हैं। बचत पर ध्यान दें।

मिथुन आपकी राशि में चंद्रमा होने से आत्मविश्वास और निर्णय क्षमता बढ़ेगी। नए ग्राहकों और व्यापारिक संपर्कों से लाभ मिलने की संभावना है। पर्याप्त आराम भी करें।

कर्क कार्यक्षेत्र में गोपनीयता रखें और बिना सोचे कोई बड़ा निर्णय न लें। विदेशी संपर्कों और ऑनलाइन व्यापार से जुड़े कामों में लाभ मिल सकता है।

सिंह वरिष्ठ अधिकारियों और मित्रों का सहयोग मिलेगा, नई योजनाओं पर काम कर सकते हैं। समूहों और व्यापारिक नेटवर्क से नए अवसर मिलेंगे। बचत की योजना बनाएं।

कन्या कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ेंगी, लेकिन धैर्य से काम लेने पर सफलता मिलेगी। साझेदारी और बड़े सौदों में सावधानी रखें। घर और परिवार के मामलों में संतुलन बनाए रखें।

तुला वरिष्ठ अधिकारियों से सहयोग मिलेगा और करियर में नए अवसर सामने आ सकते हैं। थोक व्यापार और साझेदारी के कामों में लाभ की संभावना है।

वृश्चिक कार्यक्षेत्र में निर्णयों की सराहना होगी और नई जिम्मेदारी मिल सकती है। प्रशासनिक और पैतृक व्यवसाय में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु भाग्य का सहयोग मिलेगा और रुके हुए कार्यों में गति आएगी। उच्च शिक्षा, परामर्श और यात्रा से जुड़े व्यवसायों में लाभ हो सकता है। सादा भोजन करें।

मकर कार्यक्षेत्र में गोपनीयता बनाए रखें और अपनी रणनीति पर ध्यान दें। बीमा, शोध और तकनीकी क्षेत्र से जुड़े कामों में लाभ मिल सकता है। पेट की सेहत का ध्यान रखें।

कुम्भ साझेदारी के प्रोजेक्ट्स में तालमेल से लक्ष्य हासिल होंगे। नए अनुबंध करने और व्यापार विस्तार के लिए दिन अच्छा है। दांपत्य जीवन में प्रेम बढ़ेगा और भविष्य की योजनाएं बनेंगी।

मीन मेहनत और अनुशासन से विरोधियों पर बढ़त बना सकते हैं। नियमित दिनचर्या अपनाएं और आंखों को आराम दें। सेवा क्षेत्र से जुड़े व्यापारियों को नए ग्राहक मिल सकते हैं।

अमिताभ बच्चन के जलसा को बम से उड़ाने की फिर से धमकी

अमिताभ बच्चन को लगातार मिल रही धमकियों के बीच नए ईमेल ने हड़कंप मचा दिया है। इस मेल में उनके बंगले जलसा को उड़ाने की धमकी दी गई है। इस धमकी भरे ईमेल में बिग बी के घर को निशाना बनाने की बात कही गई है। वहीं साथ में बीएमसी ऑफिस को भी निशाना बनाए जाने की साफ-साफ धमकी दी गई है।

पिछले कुछ समय से अपनी सुरक्षा को लेकर फिल्मी सितारों की नींद हराम है। दरअसल 14 अप्रैल 2024 की सुबह सलमान खान के मुंबई स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर गोलीबारी की घटना के बाद ये सिलसिला अब तक थमा नहीं है। लगातार फिल्मी हस्तियों को तरह-तरह की धमकियां मिल रही हैं। वहीं हाल के दिनों में अमिताभ बच्चन को भी कई बार धमकियां मिल गई हैं।

मुंबई की मेयर ऋतु तावड़े के दफ्तर को ये धमकी भरा ईमेल भेजा गया है। इसमें मुंबई महानगरपालिका मुख्यालय और अमिताभ के घर को बम से उड़ाने की बात कही गई है। ईमेल सामने आने के बाद से ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है। धमकी भरे ईमेल में अमिताभ बच्चन के बंगले के अलावा कुछ अन्य जगहों का भी जिक्र किया गया है। पुलिस ईमेल भेजने वाले की पहचान करने में जुटी है। फिलहाल, इस धमकी की सच्चाई की जांच की जा रही है।

बताया जा रहा है कि इस धमकी के साथ ही बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वॉड की टीम BMC दफ्तर पहुंची और परिसर की जांच की जा रही है। वहीं अमिताभ बच्चन को जब पहली बार धमकी दी गई थी तब भी उनके घर जलसा को उड़ाने की बात कही गई थी। इसके बाद फैंस से रविवार को मुलाकात के दौरान अमिताभ के साथ तगड़ी सिक्योरिटी थी। वहीं वे बुलेटप्रूफ शीशे के पीछे से खड़े होकर अपने फैंस को अभिवादन करते दिखे थे। वहीं जब दूसरी बार बिग बी को धमकी मिली तो उसमें अमिताभ के साथ-साथ उनके बेटे अभिषेक बच्चन का भी नाम शामिल था। इस बार गोल्डी ढिल्लों के नाम से एक सोशल मीडिया पोस्ट सामने आया था। इस पोस्ट में लिखा गया था, जितनी मर्जी बुलेटप्रूफ केबिन बनवा ले,



कुछ भी कर ले, दोनों बाप-बेटे को मारेंगे। बुलेटप्रूफ में ही मारेंगे। इन धमकियों को लेकर पुलिस फिलहाल एक्शन में है। खतरा को भांपते हुए जलसा के बाहर सिक्योरिटी गार्ड के साथ मुंबई पुलिस के हथियारबंद जवानों की भी तैनात किए गए हैं। वहीं घर से बाहर की हरकतो पर पैनी नजर रखने के लिए हाई-रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं।

भूमि पेडनेकर ने 26/11 के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मुंबई में 26 नवंबर, 2008 को हुए आतंकी हमले की गुरुवार यानी आज 18वीं बरसी है। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने आतंकी हमलों की 18वीं बरसी पर शहीद सैनिकों को याद किया। एक्ट्रेस ने गेटवे ऑफ इंडिया पर इन हमलों में जान गंवाने वाले पुलिस अधिकारियों और सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।



भूमि कल गुरुवार को 2008 के मुंबई आतंकी हमलों की बरसी पर हुए मेमोरियल इवेंट में शामिल हुईं। बता दें कि यह दिन भारतीय इतिहास में काले अक्षरों में दर्ज है। इन आतंकी हमलों में सुरक्षाकर्मियों समेत कई लोगों की जान चली गई थी। अभिनेत्री ने इन आतंकी हमले के दौरान देश की सुरक्षा के लिए सुरक्षाकर्मियों की हिम्मत को सलाम किया।

भूमि ने बलिदान देने वालों को याद करते हुए पुष्प माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने 26/11 के मुंबई हमलों को भारत की आजादी पर हमला बताया। साथ ही उन्होंने पुलिसवालों, सेना, फर्स्ट रेस्पॉन्डर्स और पीड़ितों के बलिदान को हमेशा याद रखने की बात पर जोर दिया। इवेंट में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी मौजूद रहे।

भूमि ने कहा, 26/11 को जो हुआ, वह सिर्फ हमारे शहर पर हमला नहीं था। यह पूरे भारत की आजादी पर हमला था। इस तरह के प्लेटफॉर्म बहुत जरूरी हैं, क्योंकि हमें अपने पुलिस अफसरों, सबसे पहले मदद करने वालों, अपनी जान गंवाने वालों और उनके परिवारों के बलिदान की याद दिलाने की जरूरत है। भारत कभी भी नफरत और आतंकवाद के लिए खड़ा नहीं होगा। यह हमें हमेशा हमारे पुलिस अफसरों और सेना के बलिदानों की याद दिलाएगा।

अभिनेत्री ने कहा, मैं अपने सभी शहीदों, पुलिस अधिकारियों, सशस्त्र बलों, पीड़ितों और सबसे पहले मदद के लिए पहुंचने वाले लोगों और मुंबई के उन सभी नागरिकों को याद करना चाहती हूं, जिन्होंने इस काले दिन को झेला। मैं भी मुंबई से हूं। मेरा जन्म यहीं हुआ। मुंबई मेरे दिल में बसती है।

बॉलीवुड में बड़ा ब्रेक मिलने पर अक्षरा सिंह हुईं इमोशनल



अक्षरा सिंह के सितारे बुलंदी पर हैं। वे बॉलीवुड में भी लगातार अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। अक्षय कुमार के साथ फिल्म वेलकम टू द जंगल के गाने घिस घिस घिस में उन्हें देखा गया था। अब फिल्म ईठा में उन्हें एक बड़ा मौका मिला है, जिसमें श्रद्धा कपूर लीड रोल में हैं। इसे लेकर अक्षरा काफी खुश हैं और सोशल मीडिया पर इसकी खुशा जाहिर की है।

बोलीं- ईठा फिल्म नहीं इमोशन है

भोजपुरी अभिनेत्री ने आज गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने श्रद्धा कपूर के साथ कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए एक नोट लिखा है। अक्षरा सिंह ने लिखा है, इतने दिनों से ये बात दिल में रखी थी। अब फाइनली कह सकती हूं, हमारी फिल्म ईठा 04 दिसंबर को सिनेमाघरों में आ रही है। ईठा मेरे लिए एक इमोशन है।

अक्षरा ने आगे श्रद्धा कपूर की तारीफ में लिखा है, श्रद्धा कपूर, बतौर अभिनेत्री मैं हमेशा आपकी कायल रही हूं, लेकिन काम करते हुए आपको करीब से जानना मेरे लिए और भी खास रहा। आप एक बहुत उम्दा इंसान हैं। आपके साथ स्क्रीन शेयर करना कुछ ऐसा है, जिसका जश्न मैं हमेशा मनाऊंगी और संजोकर रखूंगी। उन्होंने आगे फिल्म के निर्देशक लक्ष्मण उतेकर को टैग करते हुए लिखा है, दिल से सबसे बड़ा थैंक्यू आपको सर। मुझ पर भरोसा करने और मुझे ये मौका देने के लिए। इसके अलावा हर कदम पर सपोर्ट करने के लिए अक्षरा सिंह ने पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया है।

अक्षय कुमार की इन शर्तों के कारण एक्टर से दूर भागते हैं बड़े निर्माता



बॉलीवुड में आठ घंटे की शिफ्ट का मुद्दा काफी वक्त से चल रहा है। बेटी दुआ के जन्म के बाद दीपिका पादुकोण ने आठ घंटे की वर्किंग शिफ्ट की बात की थी। कथित तौर पर उन्होंने संदीप रेड्डी वंगा की स्पिरिट भी इसी शर्त पर सहमति न पाने के कारण छोड़ी थी। अक्षय कुमार उन कलाकारों में से हैं, जो आठ घंटे की शिफ्ट करते हैं। हाल ही में एक्टर ने खुलासा किया कि इस नियम की वजह से कई बड़े लोग उन्हें फिल्में नहीं देते।

अक्षय कुमार अपनी फिटनेस का बेहद ख्याल रखते हैं। वे सुबह जल्दी उठते हैं। जल्दी काम खत्म करते हैं। सेट पर वे आठ घंटे की शिफ्ट करते हैं और उसके बाद पैकअप कर लेते हैं। हाल ही में खिलाड़ी करण जौहर के शो कॉफी विद करण सीजन 9 में पहुंचे। इस दौरान अभिनेता ने अपनी वर्किंग शिफ्ट को लेकर भी बात की। साथ ही अपनी तुलना क्रिस्टोफर नोलन और टॉम क्रूज जैसे हॉलीवुड सितारों से भी की।

अक्षय कुमार ने बताया है कि बॉलीवुड के कई बड़े नाम उनके काम के तय घंटों की वजह से उन्हें कास्ट करने में हिचकिचाते हैं। अक्षय, रवि किशन के साथ करण के शो में पहुंचे। बातचीत के दौरान करण जौहर ने नए डायरेक्टर्स के साथ काम करने और प्रोड्यूसर्स और डायरेक्टर्स का ध्यान रखने के लिए अक्षय की तारीफ की।

करण को जवाब देते हुए अक्षय ने कहा कि उनका आठ घंटे का वर्क शेड्यूल कुछ बड़े प्रोड्यूसर्स के लिए उनसे दूर रहने की वजह बन गया है। उन्होंने यह भी बताया कि वह फिल्मों में काम करते समय एक फिक्स्ड रूटीन क्यों फॉलो करना पसंद करते हैं?

अक्षय कुमार ने कहा, इंडस्ट्री के कई बड़े नाम मुझे कास्ट नहीं करना चाहते। मेरे बारे में बहुत सारी अफवाहें हैं, जिसमें यह दावा भी शामिल है कि मैं दिन में सिर्फ आठ घंटे काम करता हूं। लेकिन लोग भूल जाते हैं कि उन आठ घंटों के दौरान मैं अपनी वैनिटी वैन में कदम भी नहीं रखता।

एक्शन भरे अंदाज में फिर दिखेंगे साउथ के एक्टर अर्जुन सरजा

साउथ सिनेमा के अभिनेता अर्जुन सरजा जल्द एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर काम करने जा रहे हैं। इस फिल्म में एक्टर निर्देशक और मुख्य अभिनेता दोनों की भूमिका निभाएंगे। जानकारी के मुताबिक फिल्म की कहानी देशभक्ति पर आधारित होगी। इस पैन इंडिया फिल्म में बॉलीवुड के भी कई कलाकार अदाकारी का जादू बिखेरेंगे। यह मल्टीस्टारर फिल्म एक बड़े मेगा बजट में बनाई जाएगी। हालांकि अभी फिल्म की बाकी कास्ट और शीर्षक की जानकारी सामने नहीं आई। मगर फिल्म का मुहुर्त कार्यक्रम आयोध्या की पवित्र राम जन्मभूमि पर होगा। यह समारोह 27 दिसंबर 2026 को आयोजित किया जाएगा। इसी दिन फिल्म के शीर्षक से भी पर्दा उठाया जाएगा। इस फिल्म में भारत के गौरव, देशभक्ति, वीरता और बलिदान की भावना को दिखाया जाएगा।



अभिनेता अर्जुन सरजा की आगामी फिल्म का निर्माण प्रेसिडेंशियल मूवीज इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले हो रहा है। वहीं अनूप मोहन फिल्म के निर्माता है। फिल्म के निर्देशन की कमान खुद अर्जुन सरजा ने संभाल रखी है।

लोस के चार दिवसीय सत्र पर सियासी बवाल

कांग्रेस सांसद गोगोई का वार बिना प्रश्न काल के बैठक कैसी

» परिसीमन पर हो सकती है चर्चा, सपा और कांग्रेस को आपत्ति

» डीएमके और वाईएसआर कांग्रेस सरकार के साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 18वीं लोकसभा के आठवें सत्र का दूसरा भाग सोमवार, 30 नवंबर 2026 से शुरू होगा। सरकारी कामकाज की जरूरतों को देखते हुए, यह सत्र गुरुवार, 3 दिसंबर 2026 को समाप्त हो सकता है। एनडीए सरकार के इस फै सले के बाद से सियासी हलचल बढ़ गई है। जहां सपा व कांग्रेस इस फै सले पर सवाल उठा रही हैं वहीं कु छ राजनैतिक दल सशर्त समर्थन को भी तैयार हैं। घटनाक्रम तब सामने आया है जब केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि केंद्र सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति से अनुरोध किया है कि वे जरूरी सरकारी कामकाज निपटाने के लिए लोकसभा को 30 नवंबर और राज्यसभा को 2 दिसंबर को फिर से बुलाएं।

डीएमके कर सकती है मोदी सरकार का समर्थन

डीएमके ने अपना रुख स्पष्ट रखा है कि अगर लोकसभा सीटों की कुल संख्या बढ़ने के बावजूद तमिलनाडु की मौजूदा संसदीय हिस्सेदारी सुरक्षित रहती है, तो वह प्रस्तावित परिसीमन विधेयक (डिलिमिटेशन बिल) का समर्थन करने पर विचार कर सकती है। हालांकि, डीएमके के सूत्रों का कहना है कि पार्टी इस विधेयक के मसौदे का इंतजार कर रही है, ताकि उसे समर्थन देने के बारे में कोई अंतिम फैसला लिया जा सके। पार्टी नेतृत्व के करीबी एक वरिष्ठ सांसद ने बताया अगर विधेयक के मसौदे में संसद में हमारी हिस्सेदारी को सुरक्षित रखने का स्पष्ट आश्वासन मिलता है, तो हम इस पर विचार कर सकते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या पार्टी आलाकमान की ओर से कोई निर्देश मिला है, तो एक अन्य सांसद ने कहा कि हमें बस विशेष सत्र के बारे में जानकारी दी गई है, लेकिन हमें यह नहीं पता कि सदन में क्या कामकाज होगा। अभी तक पार्टी आलाकमान की ओर से कोई निर्देश नहीं मिला है।



कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने शुक्रवार को संसद के चार दिवसीय सत्र की घोषणा पर सवाल उठाया, जिसमें प्रश्न काल, शून्य काल या निजी सदस्यों के विधेयक शामिल नहीं हैं। उन्होंने लिखा, लोकसभा ने संसद के 4 दिन के छोटे सत्र के लिए एक बुलेटिन जारी किया है, जिसमें कोई प्रश्न काल, शून्य काल या निजी सदस्यों का विधेयक नहीं है। संसदीय कार्यवाही न होने पर सवाल उठाते हुए गोगोई ने पूछा या संसद मोदी-शाह की है? यह प्रतिक्रिया तब आई है जब लोकसभा सचिवालय ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि 18वीं लोकसभा के आठवें सत्र का दूसरा भाग सोमवार, 30 नवंबर से शुरू होगा। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, चार दिनों का यह संक्षिप्त सत्र गुरुवार को समाप्त हो सकता है। विज्ञप्ति में कहा गया है, 18वीं लोकसभा के आठवें सत्र का दूसरा भाग सोमवार, 30 नवंबर 2026 से शुरू होगा। सरकारी कामकाज की जरूरतों को देखते हुए, यह सत्र गुरुवार, को समाप्त हो सकता है।

जगन ने एक शर्त के साथ परिसीमन विधेयक के समर्थन का दिया संकेत

परिसीमन प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के केंद्र के नए प्रयासों पर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। पार्टी ने कहा है कि अगर क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए उचित सुरक्षा उपाय किए जाएं, तो वह इस प्रस्तावित विधेयक का समर्थन करने के लिए तैयार है। पार्टी सूत्रों के हवाले से बताया है कि अगर संसद में परिसीमन विधेयक पेश किया जाता है, तो YSRCP उसका समर्थन करेगी, बशर्ते इस प्रक्रिया में विभिन्न क्षेत्रों के बीच उचित संतुलन सुनिश्चित किया जाए। यह घटनाक्रम लोकसभा सचिवालय द्वारा गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान के एक दिन बाद सामने आया है, जिसमें बताया गया है कि 18वीं लोकसभा के आठवें सत्र का दूसरा भाग सोमवार, 30 नवंबर से शुरू होगा। जारी बयान में कहा गया है, 18वीं लोकसभा के आठवें सत्र का दूसरा भाग सोमवार, 30 नवंबर 2026 से शुरू होगा। सरकारी कामकाज की जरूरतों को देखते हुए, यह सत्र गुरुवार, 3 दिसंबर 2026 को समाप्त हो सकता है।

बिजली गायब, परिसर सील फिर सहारा स्टेट में कैसे लगी आग

» करोड़ों का सामान अंदर, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

» चोरों के आतंक के बीच भीषण अग्निकांड ने खोले कई राज!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सहारा स्टेट के मुख्य गेट के दाहिनी ओर पार्किंग एरिया में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की लपटें इतनी ऊंची थीं कि आसमान में उठता धुएं का गुबार करीब एक किलोमीटर दूर तक दिखाई दिया। आग की भयावहता को देखते हुए नौ फायर स्टेशनों से 12 से अधिक दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काफी हद तक काबू पाया। लेकिन इस अग्निकांड ने कई ऐसे सवाल खड़े कर दिए हैं, जिनका जवाब मिलना बेहद जरूरी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सहारा स्टेट परिसर में बिजली का कनेक्शन तक नहीं था और नगर निगम द्वारा पिछले साल ही परिसर को सील करा दिया गया था, तो आखिर आग की लपटें कैसे उठीं?



परिसर में कोई नियमित आबादी नहीं थी और केवल दो गार्डों के रहने की जानकारी सामने आई है। ऐसे में आग लगने की वजह क्या रही, यह जांच का विषय है। क्या किसी ज्वलनशील पदार्थ ने आग पकड़ी या इसके पीछे कोई दूसरी वजह है? फिलहाल अग्निशमन विभाग की जांच के बाद ही तस्वीर साफ होगी। हैरानी की बात यह है कि सहारा स्टेट के बाहर ईटीएफ गार्ड तैनात किए गए हैं, लेकिन आरोप है कि चोर बाउंड्री फांदकर परिसर में दाखिल होते हैं और वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते हैं। चंद कदमों की दूरी पर पुलिस चौकी होने के बावजूद चोरी की घटनाएं जारी रहने से सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठ रहे हैं। कई मामलों में एफआईआर दर्ज होने की बात भी सामने आई है। चारों ओर फैले विशाल सहारा स्टेट परिसर में करोड़ों रुपये का सामान मौजूद होने की बात कही जा रही है।

नशे के खिलाफ जागरूकता जगाई

» केकेवी में हुआ सीबीएन का विशेष कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । नशे के दुष्प्रभावों से युवाओं को बचाने और यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से केंद्रीय नार्कोटिक्स ब्यूरो यानी सीबीएन द्वारा बप्पा नारायण वोकेशनल डिग्री कॉलेज, केकेवी, लखनऊ में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया और नशामुक्त एवं सुरक्षित समाज के निर्माण का संदेश दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमरेश कुमार, मंडलीय कमांडेंट, होमगार्ड विभाग, उत्तर प्रदेश रहे।उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए नशे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। साथ ही युवाओं से नशे से दूर रहने और यातायात नियमों का जिम्मेदारीपूर्वक पालन करने की अपील की।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. राजीव सक्सेना, सेवानिवृत्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने नशे के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले गंभीर प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशे की लत व्यक्ति के साथ-साथ उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करती है। इससे बचाव के लिए जागरूकता और सही समय पर उचित मार्गदर्शन बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर एवं केकेवी महाविद्यालय के प्राचार्य संजय मिश्रा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने नशे के दुष्प्रभावों, उससे बचाव और यातायात सुरक्षा से जुड़े विभिन्न सवाल पूछे।मुख्य अतिथि अमरेश कुमार और विशिष्ट अतिथि डॉ. राजीव सक्सेना ने विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें आवश्यक जानकारी दी।इस अवसर पर केंद्रीय नार्कोटिक्स ब्यूरो द्वारा हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें होमगार्ड विभाग के अधिकारियों, सीबीएन के अधिकारियों, छात्र-छात्राओं और अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया।

ये है यूपी की काबिल पुलिस!

» बस से उतारकर कारोबारी का एक किलो सोना लूटा

» दो सिपाही और डीआरआई कर्मचारी की भूमिका आई सामने, पांच गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में खाकी की आड़ में सोना लूटने वाले गिरोह का सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने पर्दाफाश किया है। जौनपुर से दिल्ली जा रहे सोना कारोबारी को पुलिसकर्मी बनकर बस से उतारा गया और उसके पास मौजूद एक किलो सोने के आभूषणों से भरा बैग लूट लिया गया। हैरानी की बात यह है कि वारदात की साजिश में पुलिस विभाग के सिपाहियों के साथ डीआरआई में तैनात कर्मचारी की भूमिका भी सामने आई है। पुलिस ने गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है।

खाकी पहनकर लूट की साजिश



आरोपियों के कब्जे से 844 ग्राम सोना, 1 लाख 82 हजार 500 रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो बरामद की गई है। मामले में एक सिपाही समेत चार आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस के मुताबिक, पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर निवासी महेंद्र दास दिल्ली के करोल बाग में अपने जीजा छोटू साहू के साथ सोने के आभूषण बनाने का काम करते हैं। वह अलग-अलग शहरों के सर्राफा कारोबारियों से ऑर्डर लेकर आभूषण तैयार कर पहुंचाते हैं। 20 नवंबर को जौनपुर के विभिन्न सर्राफा कारोबारियों को आभूषण देने के बाद 21 नवंबर की रात वह खजुराहो ट्रैवल्स की बस से दिल्ली लौट रहे थे। इसी दौरान सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र के खुर्दही बाजार स्थित एचपी पेट्रोल पंप के सामने रात करीब 1.30 बजे आरोपियों ने बस रुकवा ली। पुलिस की पूछताछ में सामने आया कि गिरोह का सदस्य तिलक मांझी सोने के आभूषण बनाने का काम करता था और कारोबारी महेंद्र दास को पहले से जानता था।

तस्करी का आरोप लगाकर बस से उतारा

आरोपियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताते हुए कारोबारी पर सोना तस्करी का आरोप लगाया और जबरन बस से नीचे उतार लिया। इसके बाद उन्हें सफेद रंग की स्विफ्ट डिजायर कार में बैठाकर मोबाइल फोन और नकदी वाला बैग छीन लिया। सोने से भरा बैग अपने दूसरे साथियों को सौंप दिया गया। कुछ दूर ले जाकर कारोबारी को सड़क किनारे छोड़कर आरोपी फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर सुशांत गोल्फ सिटी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स : भारत सेमीफाइनल में हारा

» गेंदबाजी रही पूरी तरह फ्लॉप, श्रीलंका ने आठ विकेट से जीता मैच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोहा। श्रीलंका ए ने भारत ए को आठ विकेट से हराकर एशिया कप राइजिंग स्टार्स के फाइनल में जगह बना ली। भारत ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में आठ विकेट पर 317 रन बनाए। श्रीलंका ने जवाब में 41.3 ओवर में दो विकेट पर 318 रन बनाकर जीत दर्ज की। इस हार के साथ ही भारत ए का सफर सेमीफाइनल में ही समाप्त हो गया है। श्रीलंका ए के लिए इस मैच में लसिथ क्रूसपुले और सिनेथ जयर्वधने ने शतक लगाए, जबकि निशान मादुश्का अर्धशतक लगाकर नाबाद रहे। भारत ए की गेंदबाज बहुत ही खराब रही और टीम के गेंदबाज विकेट के लिए तरस गए।

श्रीलंका की ओपनिंग जोड़ी ने लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को शानदार शुरुआत दिलाई और जीत की नींव रखी। भारत ए के गेंदबाजों के पास इस जोड़ी को परेशान करने का कोई तोड़ नजर नहीं आया। क्रूसपुले और जयवर्धने ने पहले विकेट के लिए 174 रनों की साझेदारी की। जयवर्धने और क्रूसपुले शतक लगाकर आउट हुए। तब तक मैच भारत ए के हाथों से निकल चुका था। श्रीलंका ए को जीत दिलाने की औपचारिकता मादुश्का और कप्तान पवन रत्नायके ने पूरी की। भारतीय टीम के मुख्य गेंदबाज हर्षित राणा काफी महंगे साबित हुए और श्रीलंकाई बल्लेबाजों ने उन्हें जमकर निशाने पर लिया। हर्षित ने सात ओवर में 61 रन लुटाए और उन्हें महज एक सफलता मिली। सूर्यांश शेडगे ने तो दो ही ओवर में 23 रन लुटाए, जबकि अरशद खान ने भी 11.50 की इकॉनोमी से चार ओवर में 46 रन दिए। कुल मिलाकर भारत का कोई गेंदबाज श्रीलंकाई बल्लेबाजों के सामने चुनौती पेश नहीं कर सका।



पहले दिन न्यूजीलैंड ने 5 विकेट पर बनाए 246 रन

क्राइस्टचर्च। भारत और न्यूजीलैंड के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में खेला जा रहा है। पहले दिन का खेल समाप्त हो चुका है और टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट गंवाकर 246 रन बना लिए हैं। टॉम ब्लंडेल 53 रन और ग्लेन फिलिप्स 36 रन बनाकर नाबाद हैं। टीम इंडिया में प्रसिद्ध कृष्णा की जगह गुरनूर बराड़ को शामिल किया गया। उन्हें बुमराह ने टेस्ट डेब्यू कैप सौंपी। गुरनूर ने इस फैसले को सही साबित करते हुए न्यूजीलैंड को पहला झटका दिया। उन्होंने डेवोन कॉनवे को एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद न्यूजीलैंड ने 13 मिनट के अंतराल पर तीन विकेट गंवाए। यानी न्यूजीलैंड को लगातार तीन ओवर में तीन झटके लगे। ये तीनों झटके न्यूजीलैंड को 110 के स्कोर पर लगे। फिर 43वें ओवर में अंशुल कंबोज ने हेनरी निकोल्स को पवेलियन भेजा। इसके बाद 44वें ओवर में एक बार फिर आकाश ने विकेट झटका। उन्होंने रचिन रवींद्र को खाता खोले बिना पवेलियन भेजा। डेरिल मिचेल को वॉशिंगटन सुंदर ने जुरेल के हाथों कैच कराया।

हमारा कोई ईगो नहीं है, लेकिन हमें स्पेस देना पड़ेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

संजय शर्मा: लखनऊ की तहजीब है, पहले आप-पहले आप। अगर अखिलेश जी नहीं कर रहे तो राहुल गांधी कहते कि चलिए, खाना खाते हैं, बैठकर बात कर लेते हैं।

इमरान मसूद : ये सारी बातें हम अंदर-बाहर कर चुके हैं। यह उनकी रणनीति हो सकती है, लेकिन उनकी रणनीति उन्हें नुकसान करेगी। सरकार उन्हें बनानी है।

संजय शर्मा: आप लगातार कांग्रेस के लिए ज्यादा सीटों और सम्मानजनक हिस्सेदारी की बात कर रहे हैं। 26 सीटों के प्रस्ताव पर आपकी आपत्ति क्या है? क्या कांग्रेस 100 सीटों से कम पर समझौता नहीं करेगी?

इमरान मसूद : हमारी कोई ईगो नहीं है, लेकिन हमें स्पेस देना पड़ेगा। गठबंधन का तरीका यह नहीं होता कि अंदर बैठकर कुछ और बात हो और बाहर कुछ और। राष्ट्रीय लोकदल को 35 सीटें देने की बात हो रही थी और कांग्रेस के लिए 26 सीटों का फरमान भेजा जा रहा था। यह कौन सा तरीका है? हमें ज्यादा सीटें नहीं चाहिए, लेकिन सही सीटें चाहिए। हम कंडम सीटें क्यों लें? हमें पता है कि हमारी ताकत कहां है और हम कहां लड़ सकते हैं। कांग्रेस चाहती है कि हर जिले में कम से कम एक सीट हो जाए, लेकिन यह हमारा फॉर्मूला नहीं है। गठबंधन में पहले बातचीत होनी चाहिए, फिर संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस से घोषणा होनी चाहिए।

संजय शर्मा : मुसलमानों में यह नाराजगी है कि विपक्षी दलों के बीच लड़ाई से बीजेपी को फायदा होगा। ओवैसी भी चुनावी मैदान में हैं। क्या मुस्लिम वोटों के बंटने का खतरा नहीं है?

इमरान मसूद : बीजेपी को हराने की जिम्मेदारी मुसलमान की थोड़ी हो गई है। मुसलमान की औकात नहीं है कि वह अकेले बीजेपी को हरा दे। बीजेपी को तो पंडित जी, मेरे गैर-मुस्लिम भाई और मेरे दलित भाई हराएंगे। ओवैसी साहब से संसद में मुलाकात होती है, अच्छे संबंध हैं। वह बढ़िया भाषण देते हैं। उनका कहना है कि मुसलमान हमेशा दरी बिछाने का काम करते हैं। लेकिन आदमी चुनाव नहीं लड़ेगा, अपनी हैसियत नहीं बनाएगा तो कैसे होगा? आप उसे एडजस्ट भी नहीं करेंगे और चुनाव लड़ने भी नहीं देंगे, यह कैसी बात है? हालांकि सेकुलरिज्म के ऊपर हम कोई समझौता नहीं करेंगे।

संजय शर्मा : आपके तीखे बयान लगातार सुर्खियों में हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने कभी आपको संयम बरतने के लिए कहा? अखिलेश यादव से भी आपकी नाराजगी की चर्चा है।

इमरान मसूद : मैंने गलत क्या कहा? मैंने तो सिर्फ यह कहा कि कांग्रेस को स्पेस दीजिए और हमें उन सीटों पर लड़ना चाहिए जहां हम जीत सकते हैं। मेरी पहली प्राथमिकता है कि हमारी पार्टी सर्वाइव करे। मेरा वजूद, मेरी ताकत और मेरी हैसियत राहुल गांधी और प्रियंका गांधी हैं। अखिलेश जी से नाराजगी की बात भी गलत है। मैंने कब कहा कि उनसे नाराज हूं? मेरी हैसियत कहां कि उनकी बराबरी करूं या उन पर गुस्सा करूं? हमारे यहां मिसाल है कि गुस्सा हमेशा माड़े पर आएगा, थाड़े पर नहीं। मैं अपनी पार्टी में बात करूंगा और पार्टी जो निर्णय लेगी, उसे मानूंगा।

संजय शर्मा : राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से आपके कितने अच्छे संबंध हैं? क्या आपको लगता है कि राहुल गांधी ने बीजेपी को अपराजेय मानने का मिथक तोड़ा है?

इमरान मसूद : राहुल जी से मैं दिसंबर 2011 में पहली बार मिला था। उसके बाद से रिश्ता बहुत अच्छा रहा है। प्रियंका जी से 2014 में मिला था। उनसे मेरी बातचीत ज्यादा होती है और मैसेजिंग व टेलीफोन पर भी सहज बातचीत हो जाती है। राहुल जी लाजवाब इंसान हैं। पहले लोग कहते थे कि आप कितना भी बोल लो, लेकिन बीजेपी को कोई हरा नहीं सकता। राहुल जी ने इस मिथक को तोड़ा है। आज लोगों को लगता है कि बीजेपी से लड़ाई में राहुल गांधी एक मजबूत चेहरा हैं और वह बीजेपी को हरा सकते हैं।

संजय शर्मा : क्षेत्रीय दलों को लगता है कि कांग्रेस उन्हें खत्म करना चाहती है। दूसरी तरफ कांग्रेस संगठन और कार्यकर्ताओं की ताकत पर भी सवाल उठते हैं। आप इन आरोपों को कैसे देखते हैं?

इमरान मसूद: क्षेत्रीय दल भी हमें खत्म कर रहे हैं, यह ठीक है क्या? हम तो आपके सहयोगी हैं। हमें सहयोगी बनाकर रखिए, हमें भी स्पेस दीजिए। आप उत्तर प्रदेश चलाइए, हमें कौन मना कर रहा है? लेकिन हमारा भी अपना स्थान होना चाहिए। संगठन को लेकर जो बातें कही जाती हैं, वह परसेप्शन का खेल है। हमने 1 लाख 16 हजार बीएलए नियुक्त किए हैं। कांग्रेस के लोग गांवों में बैठे हैं। हमारे पास लोग हैं। बच्चे कम हैं, लेकिन जो लोग हैं, वे बहुत मजबूत हैं। हम उन्हीं को तैयार कर रहे हैं।



संजय शर्मा : गठबंधन होगा या नहीं? और अगर हुआ तो क्या समाजवादी पार्टी के नेता कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे?

इमरान मसूदः मुझे लगता है कि गठबंधन हो जाएगा। बाकी पार्टी तय करेगी। नहीं होगा तो हम अपनी तैयारी में लग जाएंगे। हमारे कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटा हुआ है। उन्हें दिखाई देना चाहिए कि उनके लिए भी कोई लड़ता है। हम अपने साथियों के लिए लड़ेंगे। जहां तक समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों के कांग्रेस के टिकट पर लड़ने की बात है, तो हमारा कैडर कहां जाएगा? हम क्या सिर्फ चुनाव कराने के लिए रह गए हैं? हमारी भी पार्टी है, हमारा भी कैडर है, हमारे भी लोग हैं। और जीतने की गारंटी कहां है? लोकतंत्र में जीतने की क्या गारंटी होती है?

'131वें संशोधन से संसद और संवैधानिक ढांचा होगा कमजोर'

» राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल का भाजपा पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने शुक्रवार को प्रस्तावित 131वें संविधान संशोधन विधेयक पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा परिसीमन, दलबदल और देश के संसदीय ढांचे में बदलाव के जरिए अपनी राजनीतिक ताकत को मजबूत करना चाहती है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सिब्बल ने चेतावनी दी कि यह प्रस्तावित कानून भारत के संवैधानिक लोकतंत्र के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का बड़ा मकसद एक ऐसी व्यवस्था बनाना है, जिसमें कार्यपालिका का दबदबा हो और संसद तथा अन्य लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हो जाएं। सिब्बल ने कहा, अगर 131वां संविधान संशोधन विधेयक पारित हो जाता है, तो 30 नवंबर 2026 तक भारत के लोकतंत्र में जो कुछ भी बचा होगा, वह पूरी तरह खत्म हो जाएगा।



सिबल ने कथित दलबदल से संबंधित सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही का हवाला देते हुए कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से जुलाई 2026 में इस स्थिति को चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की थी। उन्होंने छह शिवसेना सांसदों से संबंधित रिट याचिका संख्या 886/2026 और रिट याचिका संख्या 906/2026 का हवाला दिया, जिसे उन्होंने अपनी व्यक्तिगत क्षमता में दायर किया था। उन्होंने मामलों की सूची में देरी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि नोटिस जारी किए जाने के बावजूद कार्यवाही की सुनवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा, ये 26 लोग जो मतदान के हकदार नहीं हैं, उन्हें अब तक अयोग्य घोषित कर दिया जाना चाहिए था। वे अब संसद में बैठे हैं और मतदान में भाग लेंगे। भाजपा यही चाहती थी। सिबल ने आगे दावा किया कि प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया 2011 की जनगणना के आधार पर की जा सकती है, क्योंकि 2021 की जनगणना नहीं हुई है।

कॉलेजियम की नियुक्तियों में योग्यता और समावेश की अनदेखी हो रही: गवई

» भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा, कॉलेजियम की नियुक्तियों में योग्यता और समावेश की अनदेखी का आरोप लगाया। 27 नवंबर के एक कड़े शब्दों वाले पत्र में गवई - जिन्होंने नवंबर 2025 में अपना पद छोड़ने से पहले लगभग छह महीने तक सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम का नेतृत्व किया था।



उन्होंने आरोप लगाया कि हाल की सिफारिशों में योग्यता, विविधता और समावेशिता की चिंताजनक अनदेखी की गई है। ऐसा लगता है कि ये सिफारिशें मुख्य रूप से एक विशेष समुदाय को खुश करने और पुरस्कृत करने के प्रयास से प्रेरित हैं। उन्होंने राष्ट्रपति से हस्तक्षेप करने का आग्रह किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी संबंधित पक्ष उच्च न्यायपालिका में उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाएं। पूर्व सीजेआई ने उस समुदाय का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने जिस समूह का जिक्र किया- जो भारत की कुल आबादी का 5प्रतिशत से भी कम है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट में जिसकी हिस्सेदारी 40प्रतिशत से अधिक है और जो हाल के समय में कई गुना बढ़ी है। वह इशारा संभवतः ब्राह्मणों की ओर था।



महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा